दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच, नई पहल

ग्वालियर, बुधवार, 25 दिसम्बर 2019

ग्वालियर वर्ष:02 अंक: 350

■ पृष्ठ 8 ■ मूल्य : 2 रु.

न्यूज ट्रैक

नागरिकता कानून के खिलाफ दिल्ली में प्रदर्शन, मंडी हाउस के पास धारा 144 लागू

नई दिल्ली। नागरिकता संशोधन कानून पर प्रदर्शन अब भी जारी है। दिल्ली में आज भी नागरिकता कानून के खिलाफ प्रदर्शन हो सकता है। यही वजह है कि दिल्ली के मंडी हाउस इलाके में पुलिस ने एहतियातन धारा 144 लगा दी है। बताया जा रहा है कि एक बार फिर से नागरिकता संशोधन कानून के खिलाफ जामिया के स्टूडेंट्स और अन्य संगठन प्रदर्शन करने वाले हैं। यही वजह है कि मंडी हाउस के आस-पास प्रदर्शनकारी पहुंचने लगे हैं। जामिया की कोआर्डिनेशन कमेटी और कई संगठनों के समूह हम भारत के लोग के आह्वान पर लोग मंडी हाउस पहुंच रहे हैं।

डबल झटका: झारखंड की हार से

राज्यसभा में बीजेपी को होगा बड़ा नुकसान

नई दिल्ली। झारखंड विधानसभा चुनाव 2019 में हार बीजेपी के लिए दोहरे झटके की तरह है। झारखंड में हार से बीजेपी को न सिर्फ सत्ता गंवानी पड़ी है, बल्कि इसका खामियाजा संसद में भी भुगतना पड़ सकता है। सोमवार को जारी झारखंड चुनाव के नतीजों के बाद भाजपा को राज्यसभा में सीटों का नुकसान हो सकता है। भले ही अगला लोकसभा चुनाव 2024 में है, मगर उससे पहले राज्यसभा के चुनावों में बीजेपी को झटका लग सकता है। जब भारतीय जनता पार्टी 2024 में अगले लोकसभा चुनाव के लिए जाएगी तो शायद उस वक्त झारखंड से इसके पास एक भी राज्यसभा की सीट न हो।

हालांकि, आंकड़ें ऐसे कहते हैं कि अगर झारखंड विकास मोर्चा बीजेपी को समर्थन देती है तो राज्यसभा में बीजेपी अपनी वर्तमान टैली बरकरार रख सकती है। बता दें कि झारखंड चुनाव में जेवीएम (प्रजातांत्रिक) ने बीजेपी के खिलाफ चुनाव लड़ा था, मगर अब उसने बीजेपी को समर्थन देना का फैसला लिया है। हालांकि, भाजपा की अगुवाई वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार यानी एनडीए सरकार राज्यसभा में अल्पमत में है, मगर विपक्ष में भीतरघात की वजह से कई अहम विधेयक मसलन नागरिकता (संशोधन) अधिनियम और जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम, तीन तलाक विधेयक पास कराने में कामयाब रही है। साल 2020, 2022 और 2024 में दो-दो सीटों पर झारखंड में द्विवार्षिक चुनाव होंगे। दरअसल, झारखंड में राज्यसभा की कुल 6 सीटें हैं, जिनमें

वर्तमान में बीजेपी का तीन पर, कांग्रेस और लालू यादव की पार्टी राजद का एक-एक पर कब्जा है। वहीं छठे सीट पर स्वतंत्र सासंद परिमल नाथवाणी हैं। इन सभी सीटों पर भारतीय जनता पार्टी और जेएमएम-कांग्रेस-राजद गठबंधन के बीच सीधा मुकाबला होगा। क्योंकि राज्य विधानसभा में मौजूदा सियासी अंकगणित ने इसे पेचीदा बना दिया है। विधानसभा और लोकसभा चुनाव के विपरीत राज्य के निर्वाचित विधायक उच्च सदन के उम्मीदवार के लिए वोट करते हैं। झारखंड में 81 विधानसभा सीटें हैं। किसी भी राज्यसभा उम्मीदवार को जीत हासिल करने के लिए कम से कम 28 मतों की जरूरत होगी। बीजेपी के पास सिर्फ 25 सीटें हैं तो ऐसी स्थिति में उसे अन्य दलों का सहारा लेना पड़ेगा। मगर बीजेपी को अगर जेवीएम का साथ मिलता है तो समीकरण बदल सकता है, क्योंकि जेवीएम ने विधानसभा चुनाव में तीन सीटें जीती हैं। इस तरह से झारखंड में जब भी द्विवार्षिक राज्यसभा चुनाव होंगे, हर बार बीजेपी को इन तीन सीटों की जरूरत पड़ेगी। अगर बीजेपी को जेवीएम के 28 विधायकों का साथ मिलता है तो यह आसानी से तीन सीटें अपने नाम कर सकती है। मगर अभी जो राजनीतिक हालात हैं और अगर जेवीएम बीजेपी से दूरी बनाए रखती है तो फिर बीजेपी के लिए एक भी राज्यसभा सीट जीतना मुश्किल हो जाएगा। राज्यसभा के चुनाव में पहली सीट पर आसानी से जीत हो जाएगी, मगर हर बार दूसरे सीट के लिए ड्रामा देखने को मिल सकता है। झामुमो गठबंधन पहली सीट लाएगा, लेकिन दूसरी सीट के चुनाव में उसके पास केवल 19 अतिरिक्त विधायक हैं, जिसे विधायकों की दूसरी वरीयता के मतों से तय करना होगा। वहां भी, जेएमएम-कांग्रेस-आरजेडी को बीजेपी के मुकाबले फायदा होगा। उम्मीद की जा रही है कि नरेंद्र मोदी की अगुआई वाली एनडीए सरकार 2021 के अंत तक राज्यसभा में बहुमत में हो जाएगी। मगर अगर बीजेपी झारखंड में एक भी सीट पाने में असफल रहती है तो फिर वह बहुमत के आंकड़े से दूर रह सकती है। गौरतलब है कि झारखंड में झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेतृत्व में बने जेएमएम-कांग्रेस-राजद गठबंधन ने 47 सीटें जीत कर स्पष्ट बहुमत प्राप्त कर लिया है। जेएमएम 30, कांग्रेस 16 और एक सीट पर आरजेडी को जीत मिली है। वहीं, बीजेपी को सिर्फ 25 सीटें मिली हैं।

अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के सभी पदाधिकारियों को

हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

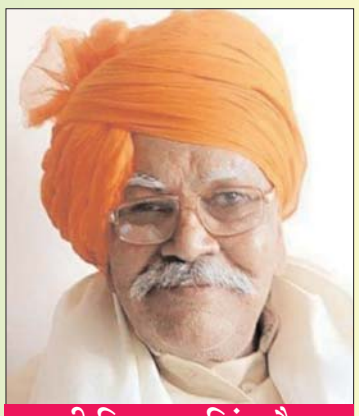

श्री शिवराम सिंह गौर
(राष्ट्रीय अध्यक्ष)

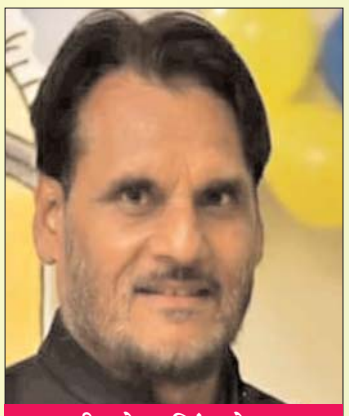

श्री सुरेन्द्र सिंह तोमर
(राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष)

श्री सौरभ सिंह तोमर
(युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष)

श्री राजीव सिंह भदौरिया (गुड्डू भैया)
राष्ट्रीय उपाध्यक्ष

सतेंद्र सिंह भदौरिया
(युवा प्रदेश अध्यक्ष)

राम कुमार सिकरवार
(जिलाध्यक्ष ग्वालियर)

अशोक सिंह तोमर
(भिण्ड जिला अध्यक्ष)

एड. धनेन्द्र सिंह चौहान (सोनू)
(प्रदेश उपाध्यक्ष)

डॉ.धर्मेंद्र सिंह चौहान
(प्रदेश प्रवक्ता व प्रचार मंत्री)

महेन्द्र सिंह तोमर
(जिला प्रमुख महामंत्री)

भरत सिंह चौहान
(प्रदेश मीडिया प्रभारी)

बिपिन सिंह तोमर प्रदेश
(संगठन महामंत्री)

अभय प्रताप सिंह सिकरवार
(प्रदेश उपाध्यक्ष)

विजय सिंह चौहान
(प्रदेश महामंत्री)

सुधीर सिंह राठौर
(ग्वालियर संभाग अध्यक्ष युवा)

मनोज सिंह सोलंकी
(कार्यकारी अध्यक्ष ग्वालियर संभाग)

शेरू चौहान
(संभागीय उपाध्यक्ष)

अरविंद सिंह भदौरिया
(संभागीय संगठन मंत्री)

हेमंत सिंह भदौरिया
(संभागीय उपाध्यक्ष)

राजू सिकरवार
(जिला अध्यक्ष ग्वालियर)

सौजन्य से: अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा की ओर से हार्दिक बधाई

सम्पादकीय

प्रधानमंत्री का संदेश

यह समय की मांग थी कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नागरिकता कानून और साथ ही प्रस्तावित राष्ट्रीय नागरिकता रजिस्टर यानी एनआरसी को लेकर अपनी बात कहने के लिए आगे आते। दिल्ली की एक रैली में उन्होंने यही किया। उन्होंने न केवल नागरिकता कानून को लेकर फैलाए जा रहे भ्रम का निवारण किया, बल्कि यह भी स्पष्ट किया कि जिस एनआरसी को लेकर देश भर में अफवाहों का बाजार गर्म कर लोगों को भड़काया जा रहा है, उसकी तो अभी प्रक्रिया ही तय की जानी शेष है। इसमें संदेह है कि जिन लोगों और खासकर विभिन्न विपक्षी दलों के नेताओं का मकसद ही लोगों को बरगलाकर अपना राजनीतिक उल्लू सीधा करना है, उनके रुख-रवैये में कोई परिवर्तन आएगा, लेकिन आम जनता को तो यह समझना ही होगा कि हकीकत क्या है। इस क्रम में उसे यह भी जानना होगा कि आज जो कांग्रेस नागरिकता कानून के साथ-साथ प्रस्तावित एनआरसी का मुखर होकर विरोध कर रही है, उसके शासनकाल में ही मतदाता पहचान पत्र, पैन, आधार कार्ड आदि जारी किए गए। एक सच्चाई यह भी है कि दुनिया के हर जिम्मेदार देश ने अपने नागरिकों का रजिस्टर तैयार किया है। इस जिम्मेदारी का निर्वहन हो, इसकी जरूरत नागरिकता कानून में दर्ज है और इसी कारण 1951 में पहली एनआरसी तैयार की गई। क्या अब यह काम महज इसलिए नहीं होना चाहिए कि कुछ लोग अंधविरोध से ग्रस्त होकर या फिर राजनीतिक रोटियां सेंकने के लालच में अफवाहें फैलाने में जुट गए हैं? नागरिकता कानून और प्रस्तावित एनआरसी के विरोध में बिना ज्यादा कुछ सोचे-समझे सड़कों पर उतरने वालों को प्रधानमंत्री की इस बात पर गौर करना चाहिए कि क्या उनकी सरकार की रसोई गैस, आवास, बिजली संबंधी किसी योजना में जाति, मजहब के आधार पर भेदभाव किया गया है? यदि अभी तक ऐसा कोई आरोप विरोधी दल भी नहीं लगा सके हैं, तो इसका यही मतलब है कि नागरिकता कानून के बहाने मोदी सरकार को मुस्लिम विरोधी साबित करने का एक सुनियोजित अभियान छेड़ा गया। क्या यह किसी से छिपा है कि इस अभियान को किस तरह किस्म-किस्म के दुष्प्रचार के जरिए आगे बढ़ाया जा रहा है। केवल इतना ही पर्याप्त नहीं कि दुष्प्रचार में लिप्त इन राजनीतिक एवं गैर-राजनीतिक तत्वों को प्रधानमंत्री ने आड़े हाथों लिया। उन्हें इसकी तह में भी जाना होगा कि आखिर ऐसे तत्व किन कारणों से अपने इरादे में एक बड़ी हद तक सफल हो गए। यह अभियान इतना शातिर है कि जहां धरना-प्रदर्शन अराजकता से बच जा रहा है, वहां तो भीड़ को श्रेय दिया जा रहा है, लेकिन जहां आगजनी और तोड़फोड़ हो रही है, वहां सारा दोष पुलिस के सिर पर मढ़ दिया जा रहा है।

आंदोलन व अराजकता का मिटता भेद

आंदोलन गैरजिम्मेदार राजनीतिक कर्मकांड नहीं हो सकते, क्योंकि वे तो जीवंत जनतंत्र की प्राण ऊर्जा होते हैं। आंदोलनकारी अपने विचार के पक्ष में लोकमत का परिष्कार और संस्कार करते हैं। ध्येयनिष्ठ आंदोलनकारी संविधान और विधि व्यवस्था को तोड़ने का काम नहीं करते। बीते कई दिनों में आंदोलन के नाम पर देश के विभिन्न हिस्सों में अरबों रुपये की संपदा आगजनी और तोड़फोड़ में स्वाहा कर दी गई। अकेले रेलवे को करीब 90 करोड़ रुपए की क्षति हुई। हिंसक विरोध प्रदर्शन के कारण 20 से अधिक लोग मारे गए और एक बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी घायल हुए। इस हिंसा में तमाम सरकारी-गैरसरकारी वाहन भी फूंके गए और वह भी तब, जब कई जगह सड़कों पर उतरे लोग गांधी, आंबेडकर आदि के पोस्टर भी लिए हुए थे। मार्क्सवादी चिंतक डॉ. रामविलास शर्मा ने ठीक लिखा है, %गांधी, आंबेडकर, लोहिया वर्तमान भारत के राजनीतिक, सांस्कृतिक आंदोलनों के लिए प्रासंगिक हैं। जो समाज व्यवस्था से असंतुष्ट हैं, उन्हें तीनों का अध्ययन करना चाहिए। भारत के स्वाधीनता आंदोलन से दो उपलब्धियां हासिल हुईं। इसमें स्वाधीनता पहली उपलब्धि है। दूसरी उपलब्धि यह रही कि इस आंदोलन ने राष्ट्रजीवन को समाजसेवा, राष्ट्रभक्ति, त्यागपूर्ण राजनीति और अहिंसक जीवन मूल्य दिए। स्वाधीनता आंदोलन के आदर्श जीवन मूल्य लोकमानस में संजोकर रखे जाने वाले हैं। संविधान में उल्लिखित मूल कर्तव्यों में कहा गया है कि स्वतंत्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आंदोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखें और उनका पालन करें।

संविधान का अनुच्छेद 51 ए/बी कहता है कि %सार्वजनिक संपत्ति की सुरक्षा और हिंसा से दूर रहना भी संवैधानिक कर्तव्य है। लेकिन हाल के कई आंदोलनों में स्वाधीनता आंदोलनों के आदर्श सिरे से गायब दिखे हैं। स्वाधीनता आंदोलन में जब विदेशी सत्ता से भारत का टकराव था, तब भी आंदोलन आदर्श जीवन मूल्यों से प्रतिबद्ध था तो इसीलिए कि यह भाव प्रबल था कि आंदोलन की अपनी मर्यादा बनी रहनी चाहिए। गांधी जी स्वाधीनता आंदोलन के निर्विवाद नेता थे। आंदोलन की धार तेज करने के लिए उन्हें सरकारी आदेशों की अवज्ञा का विचार आया। गांधी जी ने इसे %सविनय अवज्ञा आंदोलन कहा। मार्च 1940 में उनसे बार-बार प्रश्न पूछे जा रहे थे कि सविनय अवज्ञा आंदोलन कब शुरू करेंगे? संपूर्ण गांधी वांग्मय (71.380) के अनुसार गांधी जी ने कांग्रेस कार्यसमिति में कहा, %देश अभी सविनय अवज्ञा आंदोलन के लिए तैयार नहीं है। छोटी सी अनुशासनबद्ध कांग्रेस को लेकर मैं विश्व से लड़ सकता हूं, लेकिन कांग्रेस लचर है। सविनय अवज्ञा आंदोलन शुरू किया गया तो %अवज्ञा ही बचेगी, %सविनय लुप्त हो जाएगा। गांधी जी के आंदोलन आदर्श में %सविनय अहम था। अहिंसा और भी अहम। आंदोलन की हिंसा पर गांधी जी के विचार दोटूक थे। संपूर्ण गांधी वांग्मय (77.459) के अनुसार गांधी जी ने कहा, %तोड़फोड़ की कवायद और इसमें शामिल सभी बातें, संपत्ति का विनाश अपने आप में हिंसा है। स्वतंत्र भारत के तमाम आंदोलनों में स्वाधीनता आंदोलन के राष्ट्रीय मूल्य नहीं दिखे। आंदोलन और अराजकता पर्यायवाची हो रहे हैं।

जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व में राष्ट्रव्यापी संपूर्ण क्रांति आंदोलन (1975-1977) हुआ था। भ्रष्टाचार के विरुद्ध हुआ यह आंदोलन स्वाधीनता आंदोलन के आदर्शों से ओतप्रोत था। तब हम लोग नारा लगाते थे %हमला चाहे जैसा भी हो, हाथ हमारा नहीं उठेगा। तब अहिंसा का मूल्य ही आदर्श था। इसी आंदोलन के दौरान आपातकाल की घोषणा हुई। आपातकाल के तहत मौलिक अधिकार भी छिने, लेकिन आंदोलन ऐतिहासिक रूप में सफल रहा। आंदोलनों के सदाबहार नेता डॉ. राममनोहर लोहिया सविनय अवज्ञा को सिविल नाफरमानी कहते थे। उन्होंने व्यक्तिगत सत्याग्रह भी किए। सामाजिक मुद्दों पर उनके आंदोलन प्रगतिशील थे। अंग्रेजी हटाओ का विषय उनके आंदोलन के मूल में था। उनके आंदोलन का व्यवहार शास्त्र आदर्श था। नारा था कि गलत बात मानेंगे नहीं, मारेंगे भी नहीं। आंदोलन को जनतंत्र की मजबूती का हथियार बनाना ही राष्ट्र का प्रेय श्रेय है। कुछ साल पहले ही अण्णा हजारे के नेतृत्व में भी राष्ट्रव्यापी आंदोलन हुआ। आंदोलन को लेकर प्रतिबद्धता तो थी, लेकिन सार्वजनिक संपदा को क्षति पहुंचाने, पुलिस पर हमला करने, लोगों को भयभीत करने जैसी अराजकता नहीं थी। आंदोलन राजनीतिक हमला नहीं होते। वे तो सत्ता और समाज का ध्यानाकर्षण होते हैं। मुद्दा आधारित सभी विमर्श आंदोलन हैं। सभा, जुलूस और प्रदर्शन आंदोलन के ही भिन्न् रूप हैं। इधर कुछ विषयों पर मोमबत्ती लेकर भी जुलूस निकाले गए हैं। इनमें अतिरिक्त शालीनता रही है। आंदोलन राज और समाज को दिशा दे सकते हैं, लेकिन अराजकता आंदोलन को प्रभावशून्य कर देती है। शालीन आंदोलनकारी जननायक दिखाई पड़ते हैं, अराजकता उन्हें जनता की नजरों में गिराती है। रूसी चिंतक साहित्यकार टॉल्सटॉय ने असहमति व्यक्त करने के लिए %पैसिव रेजिस्टेंस शब्द इस्तेमाल किया था। गांधी जी को %पैसिव रेजिस्टेंस या निष्क्रिय प्रतिरोध की भावना से प्रेम था। गांधी जी ने इसकी जगह पहले अंग्रेजी का सिविल डिसओबिडिएंस शब्द सोचा, लेकिन सबके परामर्श से सत्याग्रह शब्द चुना। गांधी जी से सीखा जा सकता है कि आंदोलन की संरचना के लिए नाम, मर्यादा, अहिंसा और ध्येय की भूमिका महत्वपूर्ण है। सत्याग्रही आंदोलन किसी व्यक्ति, समूह या संस्था का विरोधी नहीं होता। ऐसे आंदोलन में सत्य का आग्रह होता और आग्रह में आत्मबल। यह किसी का विरोधी नहीं होता और इसीलिए वह अहिंसक होता है।

स्टूडेंट ऑफ द इयर 2 को लेकर बोलीं अनन्या पांडे

अपने डेब्यू से जुड़ी कोई चीज नहीं बदलना चाहेंगी

स्टार किड अनन्या पांडे ने 'स्टूडेंट ऑफ द इयर 2' से डेब्यू कर बतौर ऐक्ट्रेस इंडस्ट्री में कदम रखा था। इसके बाद आई उनकी दूसरी फिल्म 'पति पत्नी और वो' को पहली मूवी से ज्यादा अच्छा रिस्पॉन्स मिला। अपने डेब्यू और पहली फिल्म के बारे में अनन्या ने एक इंटरव्यू के दौरान फीलिंग्स शेयर कीं। अनन्या ने कहा कि पहली फिल्म होने के कारण उन्होंने 'स्टूडेंट ऑफ द इयर 2' की परफॉर्मेंस को लेकर प्रेशर फील नहीं किया था। उन्होंने कहा कि अगर उन्हें पास्ट में जाने का मौका मिले तब भी वह अपने डेब्यू से जुड़ी कोई चीज नहीं बदलना चाहेंगी।

फिल्म को मिले रिस्पॉन्स पर रिऐक्शन देते हुए अनन्या ने कहा कि उनकी मूवी यूथ को लेकर बनाई गई थी और यंग ऑडियंस को यह पसंद भी आई। ऐक्ट्रेस ने इस बात पर खुशी जाहिर की कि ऑडियंस उनके कैरेक्टर से कनैक्ट हो सकी और उन्हें उनकी ऐक्टिंग के लिए सराहना मिली इसलिए वह डेब्यू से जुड़ी किसी भी चीज को बदलना नहीं चाहेंगी। फिल्म को मिले रिस्पॉन्स पर रिऐक्शन देते हुए अनन्या ने कहा कि उनकी मूवी यूथ को लेकर बनाई गई थी और यंग ऑडियंस को यह पसंद भी आई। ऐक्ट्रेस ने इस बात पर खुशी जाहिर की कि ऑडियंस उनके कैरेक्टर से कनैक्ट हो सकी और उन्हें उनकी ऐक्टिंग के लिए सराहना मिली इसलिए वह डेब्यू से जुड़ी किसी भी चीज को बदलना नहीं चाहेंगी। अनन्या के वर्क फ्रंट की बात करें तो वह जल्द ही ईशान खट्टर के साथ स्क्रीन शेयर करती दिखेंगी। इनकी फिल्म का नाम 'खाली पीली' रखा गया है जिसका निर्देशन मकबूल खान कर रहे हैं।

जब हंक सलमान खान को दबंग सोनाक्षी ने गोद में उठाया

सलमान भले ही अपने बिल्डअप के लिए जाने जाते हों लेकिन सोनाक्षी भी वर्कआउट के जरिए खुद को फिट ऐंड स्ट्रॉन्ग बनाए रखती हैं। उनकी स्ट्रेंथ सोशल मीडिया पर सामने आई 'दबंग 3' के गाने के बिहाइन्ड द सीन से जुड़ी तस्वीरों में सामने आई है। इन फोटोज में से एक में जहां सोनाक्षी सलमान को उठाने की कोशिश करती दिखीं तो दूसरी में वह उन्हें गोद में उठाने में कामयाब होती दिखी। वैसे तस्वीरों में सलमान के एक्सप्रेशन्स भी देखने लायक है।

पहले फोटो में तो वह कोई रिऐक्शन नहीं देते हैं लेकिन जैसे ही सोनाक्षी उन्हें उठा लेती हैं वैसे ही उनके चेहरे पर भी हैरानी के भाव आ जाते हैं। फिल्म 'दबंग 3' की बात करें तो इसे ऑडियंस का मिक्स्ड रिस्पॉन्स मिल रहा है। सलमान और सोनाक्षी पहली दो फिल्मों की तरह ही इसमें अपने कैरेक्टर चुलबुल पांडे और रज्जो के किरदार में नजर आ रहे हैं। मूवी ने पहले वीकेंड पर अच्छा बिजनस करते हुए अब तक करीब 73 करोड़ रुपये कमा लिए हैं। इस आंकड़े को देखते हुए यह साफ है कि 'दबंग 3' बड़ी आसानी से 100 करोड़ के क्लब में शामिल हो जाएगी।

नेशनल अवॉर्ड सेरिमनी

'बधाई हो' को एंटरटेनमेंट फिल्म अवार्ड

देश की राजधानी नई दिल्ली में सोमवार 23 दिसंबर को नैशनल अवॉर्ड सेरिमनी का आयोजन विज्ञान भवन में किया गया। इस मौके पर उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू ने 66वें नैशनल अवॉर्ड का वितरण किया। इस मौके पर कई फिल्मी सितारे मौजूद थे। बेस्ट हिंदी फिल्म का अवॉर्ड 'अंधाधुन' को दिया गया है। आयुष्मान खुराना और तब्बू स्टारर इस फिल्म का निर्देशन श्रीराम राघवन ने किया है। इसके अलावा फिल्म 'पद्मावत' को बेस्ट कोरियॉग्रफी और संजय लीला भंसाली को बेस्ट म्यूजिक डायरेक्टर का अवॉर्ड भी मिला है। बेस्ट एंटरटेनमेंट फिल्म का अवॉर्ड 'बधाई हो' को दिया गया है। साथ ही 'उरीः द सर्जिकल स्ट्राइक को बेस्ट बैकग्राउंड म्यूजिक का अवॉर्ड मिला है।

- बेस्ट ऐक्टर अवॉर्ड आयुष्मान खुराना (बधाई हो), विकी कौशल (उरीः द सर्जिकल स्ट्राइक)
- बेस्ट ऐक्ट्रेस अवॉर्डः कीर्ति सुरेश (महानती)
- स्पेशल मेंशन अवॉर्ड (नॉन फीचर)
- महान हुतात्मा- सागर पुराणिक
- ग्लो वॉर्म इन ए जंगल- रमण दुंपाल
- लड्डू- समीर साधवानी और किशोर साधवानी
- बेस्ट नरेशन मधुबनी- द स्टेशन ऑफ कलर
- आवाज- दीपक अग्निहोत्री, उर्विजा उपाध्याय
- बेस्ट म्यूजिक फिल्म- ज्योति- डायरेक्टर केदार दिवेकर
- बेस्ट ऑडियॉग्रफी- चिल्ड्रेन ऑफ द सॉइल- बिश्वदीप चटर्जी
- बेस्ट लोकेशन साउंड- द सीक्रेट लाइफ ऑफ फ्रॉग्स- अजय बेदी
- बेस्ट सिनमैटॉग्रफी- द सिक्रेट लाइफ ऑफ फ्रॉग्स - अजय बेदी और विजय बेदी
- बेस्ट बीट डायरेक्शन- अई शपथ- गौतम वजे
- बेस्ट फिल्म ऑन फैमिली वैल्यु- चलो जीते हैं- मंगेश हडावले
- बेस्ट शॉर्ट फिक्शन फिल्म- कासव- आदित्य सुभाष जंभाले
- सोशल जस्टिस फिल्म- व्हाइ मी- हरीश शाह
- सोशल जस्टिस फिल्म- एकांत- नीरज सिंह
- बेस्ट इन्वेस्टिगेटिव फिल्म- अमोली- जैसमिन कौर और अविनाश रॉय
- बेस्ट स्पोर्ट्स फिल्म- रिवमिंग थ्रू द डार्कनेस- सुप्रियो सेन
- बेस्ट एजुकेशनल फिल्म- सरला विरला- एरेगोड़ा
- बेस्ट फिल्म ऑन सोशल इशू- ताला ते कूजी- शित्पी गुलाटी
- बेस्ट एनवायरन्मेंटल फिल्म- द वल्र्ड्स मोस्ट फेमस टाइगर- सुबिया नालामुथु
- बेस्ट प्रमोशनल फिल्म- रीडिस्कवरिंग जाजम- अविशान मौर्य और कृति गुप्ता
- बेस्ट साइसेज ऐंड टेक्नॉलजी फिल्म- जीडी नायडूः द एडिसिन ऑफ इंडिया- रंजीत कुमार
- बेस्ट आर्ट्स ऐंड कल्चरल फिल्म- बुनकरः द लास्ट ऑफ द वाराणसी वीवर्स- सत्यप्रकाश उपाध्याय
- बेस्ट डेब्यू नॉन-फीचर फिल्म ऑफ ए डायरेक्टर- फलूदा- सान्मिक चटर्जी
- बेस्ट नॉन-फीचर फिल्म (शेयर्ड)- सन राइज - विभा बख्शी
- बेस्ट नॉन-फीचर फिल्म- द सिक्रेट लाइफ ऑफ फ्रॉग्स - अजय बेदी ऐंड विजय बेदी
- बेस्ट म्यूजिक डायरेक्टर- पद्मावत- संजय लीला भंसाली
- स्पेशल मेंशन (फीचर)
- नथिकचरामी (कन्नड़)- श्रुति हरिहरण
- कड़क(हिंदी)- चंद्रचूड़ राय (ऐक्टर)
- जोसफ (मलयालम)- जोजू जॉर्ज (ऐक्टर)
- सुदानी फ्रॉम नाइजीरिया (मलयालम)- सावित्री (ऐक्ट्रेस)
- बेस्ट राजस्थानी फिल्म- टर्टल- दिनेश एस यादव
- बेस्ट पंचिंग फिल्म- इन द लैंड ऑफ पॉइजन विमिन- मंजू बोरा
- बेस्ट शेरडुकपन फिल्म- मिशिंग- बॉबी शर्मा बरुआ
- बेस्ट गारो फिल्म- मामा- डॉमिनिक संगमा
- बेस्ट मराठी फिल्म- भोंगा- शिवाजी लोटन पाटिल
- बेस्ट तमिल फिल्म- बारम- प्रिया कृष्णस्वामी
- बेस्ट हिंदी फिल्म- अंधाधुन- श्रीराम राघवन
- बेस्ट उर्दू फिल्म- हामिद- ऐजाज खान
- बेस्ट बंगाली फिल्म- एक जे छिलो राजा- सुजीत मुखर्जी
- बेस्ट मलयालम फिल्म- सुदानी फ्रॉम नाइजीरिया- जकारिया
- बेस्ट तेलुगू फिल्म- महानति- नाग अश्विन
- बेस्ट कन्नड़ फिल्म- नाथीचरामी- मंजुनाथ एस (मंसूरे)
- बेस्ट कोंकणी फिल्म- अमोरी- दिनेश पी भोगले
- बेस्ट असामी फिल्मी- बुलबुल कैन सिंग- रीमा दास
- बेस्ट पंजाबी फिल्म- हरजीता- विजय कुमार अरोडा
- बेस्ट गुजराती फिल्म- रेवा- राहुल सुरेंद्रभाई भोले, विनीत कुमार अंबुभाई कनोजिया
- बेस्ट ऐक्शन डायरेक्टर अवॉर्ड- कन्नड़ फिल्म केजीएफ- विक्रम मोरे-अंबु आरिव
- बेस्ट कोरियॉग्रफी- पद्मावत- क्रुति महेश माड्या और ज्योति तोमर- गाना- घूमर-घूमर
- बेस्ट स्पेशल इफेक्ट- तेलुगु फिल्म ऑ- श्रुति क्रिएटिव स्टूडियो
- बेस्ट स्पेशल इफेक्ट- कन्नड़ फिल्म केजीएफ- यूनिफाइ मीडिया
- बेस्ट लिरिक्स- कन्नड़ फिल्म नाथिचरामी-
- संगीतकार- मंजुनाथ एस (मंसूर)- गाना - मायावी मानवे
- बेस्ट बैकग्राउंड म्यूजिक- उरीः द सर्जिकल स्ट्राइक- शाश्वत सचदेव
- बेस्ट मेकअप आर्टिस्ट- तेलुगु फिल्म ऑ- रणजीत
- बेस्ट कॉस्ट्यूम डिजाइनर- तेलुगु फिल्म- महानती- इंद्राक्षि पटनायक, गौरांग शाह और अर्चना राव
- बेस्ट प्रॉडक्शन डिजाइन- मलायलम फिल्म- कमारा संभावम- बंगाल
- बेस्ट एडिटिंग- कन्नड़ फिल्म नाथिचरामी- नागेंद्र क उज्जयनी
- बेस्ट ऑडियोग्रफी (लोकेशन साउंड रिकॉर्डिस्ट)- मराठी फिल्म तेंडल्या- गौरव वर्मा
- बेस्ट ऑडियोग्रफी (बेस्ट साउंड डिजाइनर)- उरीः द सर्जिकल स्ट्राइक- बिश्वदीप दीपक चटर्जी
- बेस्ट ऑडियोग्रफी (री-रिकॉर्डिस्ट ऑफ द फाइनल मिक्स्ड ट्रैक)- तेलुगु फिल्म रंगस्थलम- राजा कृष्णन एमआर
- बेस्ट स्क्रीनप्ले (ऑरिजिनल) - तेलुगु फिल्म वी अर्जुन ला सो- राहुल रवींद्रन
- बेस्ट स्क्रीनप्ले (अडेप्टेड)- अंधाधुन- श्रीराम राघवन, अरिजीत बिश्वास, योगेश चंद्रेकर, हेमंत राव और पूजा लाढा सुरती
- बेस्ट स्क्रीनप्ले (डायलॉग)- बंगाली फिल्म तारीख- चुरनी गांगुली
- बेस्ट सिनमैटोग्रफी- मलयालम फिल्म- उलु- एम. जे. राधाकृष्णन
- बेस्ट फीमेल प्लेबैक सिंगर- कन्नड़ फिल्म नाथीचरामी- बिदू मालिनी- गाना- मायवी मनावे
- बेस्ट मेल प्लेबैक सिंगर- फिल्म पद्मावत, अरिजीत सिंह- बिंते दिल मिस्सिया में
- बेस्ट वाइल्ड आर्टिस्ट- कन्नड़ फिल्म ओंडाला एराडाला- रोहित
- बेस्ट वाइल्ड आर्टिस्ट- पंजाबी फिल्म हरजीता- समीप सिंह
- बेस्ट वाइल्ड आर्टिस्ट- उर्दू फिल्म हामिद- तल्हा अरशद रेशी
- बेस्ट वाइल्ड आर्टिस्ट- मराठी फिल्म नाल- श्रीनिवास पोकले
- बेस्ट सपोर्टिंग ऐक्ट्रेस- बधाई हो - सुरेखा सिकरी
- बेस्ट सपोर्टिंग ऐक्टर- मराठी फिल्म चुंबक- स्वानंद किरकिरे

मालदीव में वेकेशन मना रहीं

काजल अग्रवाल

शेयर की बिकनी में हॉट फोटोज

काजल अग्रवाल साउथ फिल्म इंडस्ट्री के साथ ही बॉलिवुड की पॉप्युलर ऐक्ट्रेस में से एक हैं। हाल ही ऐक्ट्रेस मैडम तुसाद में वैक्स स्टैच्यू लगने को लेकर चर्चा में रही हैं। बता दें कि काजल अग्रवाल के वैक्स स्टैच्यू 5 फरवरी 2020 को अनावरण होगा। फिलहाल वह मालदीव में वेकेशन इंजॉय कर रही हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर वहां की तस्वीरें शेयर की हैं। काजल अग्रवाल की हॉट बिकीनी फोटोज इंटरनेट पर वायरल हो रही हैं।

काजल अग्रवाल सोशल मीडिया पर काफी ऐक्टिव रहती हैं और अपनी और अपने परिवार के सदस्यों के साथ के विडियोज और फोटोज शेयर करती रहती हैं। हाल हा काजल अग्रवाल ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर मालदीव वकेशन की तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों में वह बिकीनी में नजर आ रही हैं। वह काफी हॉट दिख रही हैं। ऐक्ट्रेस की तस्वीरें देखकर आप अंदाजा लगा सकते हैं कि वह फुल मस्ती के मूड में हैं। काजल अग्रवाल मालदीव के समुद्र में फ्लोटिंग बलून पर बैठकर इंजॉय कर रही हैं। काजल अग्रवाल ने वहां की कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिनमें वह पेड़ पर बैठी हुई हैं। काजल कमल हासन की फिल्म 'इंडियन 2' में नजर आएंगी। इसके अलावा वह फिल्म 'मुंबई सागा' में भी काम कर रही हैं।

संक्षिप्त समाचार

अवैध हथियार लेकर घूम रहा युवक दबोचा

भिण्ड,ब्यूरो। पुलिस अधीक्षक रूडोल्फ अल्वारेस द्वारा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संजीव कंचन के निर्देशन में जिले में चलाए जा रहे धरपकड़ अभियान के तहत सीएसपी सतीश दुबे के मार्गदर्शन में देहात थाना पुलिस ने असलहा लेकर घूम रहे एक युवक को दबोच लिया है। जानकारी के अनुसार रविवार की देर शाम पुलिस को जरिए मुखबिर सूचना मिली कि अटेर रोड पर पेट्रोल पंप के सामने एक व्यक्ति संदिग्ध अवस्था में घूम रहा हैं। पुलिस बल ने एसटीएफ टीम की मदद से घेराबंदी कर आकाश पुत्र रूप सिंह शाक्य निवासी हाउसिंग कॉलोनी पुरानी घासमंडी कान्हा होटल के पास भिण्ड को दबोच लिया। तलाशी के दौरान आरोपी के कब्जे से एक अवैध पिस्टल 32 बोर एवं एक जिंदा कारतूस जब्त किया गया। अवैध होने से असलहा की जब्ती कर आरोपी की विरुद्ध धारा 25, 27 आर्म्स एक्ट के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर लिया गया। इस कार्यवाही में देहात थाना प्रभारी शैलेन्द्र सिंह कुशवाह, उनि पंकज मुदगल, आर विनोद, योगेंद्र, अनिल जाट, राहुल यादव की अहम भूमिका रही।

दाव लगाते तीन दबोचे

भिण्ड,ब्यूरो। देहात थाना क्षेत्र के जामुना रोड माता वाली गली में हार-जीत का दाव लगा रहे जुआरियों को पुलिस ने जरिए मुखबिर की सूचना पर से घेराबंदी कर दबोच लिया है। पुलिस ने तीन के विरुद्ध मामला दर्ज कर लिया है। जानकारी के अनुसार देहात क्षेत्र के जामुना रोड माता वाली गली में सोमवार को तीन व्यक्ति हार-जीत का दाव लगाकर जुआ खेल रहे थे, तभी मुखबिर द्वारा पुलिस को सूचना दी गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने तीन लोगों को रंगे हाथों पकड़ लिया। तलाशी लेने पर जुआरियों के पास से एक तांश की गड्डी एवं एक हजार रुपए की नगदी बरामद हुई। पूछताछ के दौरान जुआरियों ने अपने नाम रितुराज गोयल निवासी रेखा नगर, शिवकुमार जाटव निवासी नयापुरा जामुना, विजय बहादुर निवासी नयापुरा जामना रोड बताया। पुलिस ने उक्त आरोपियों के विरुद्ध धारा 13 जुआं एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर लिया है।

अवैध रुप से बिक्री के लिए जा रही शराब जब्त

भिण्ड,ब्यूरो। भारौली थाना क्षेत्र के मुशावली स्थित शिवाजी मंदिर के पास से पुलिस ने जरिए मुखबिर की सूचना पर से एक युवक को 349 देशी क्वार्टर अवैध शराब सहित रंगे हाथों पकड़ लिया है। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध मामला दर्ज कर लिया है। जानकारी के अनुसार भारौली क्षेत्र के मुशावली स्थित शिवाजी मंदिर के पास सोमवार को एक युवक अवैध रुप से शराब बिक्री के लिए ले जा रहा था, कि तभी मुखबिर द्वारा थाना पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस ने मौका स्थल पर पहुंच उक्त जगह की घेराबंदी कर युवक को पकड़ लिया। तलाशी लेने पर युवक के पास से 349 क्वार्टर देशी प्लेन शराब के कुल कीमत 24 हजार रुपए अवैध रुप से बरामद हुई। पूछताछ के दौरान युवक ने अपना नाम लटूरी सिंह राजावत निवासी भारौली खुर्द बताया। पुलिस ने अवैध शराब को जब्त कर उक्त आरोपी के विरुद्ध धारा 34 (2) आबकारी एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर लिया है।

बच्ची को बचाया तो ट्रेक्टर पलटा, चालक की मौत

भिण्ड,ब्यूरो। रौन थाना क्षेत्र के जैतपुरा रोड पर एक बच्ची को बचाने के कारण अनियंत्रित होकर ट्रेक्टर पलट जाने से उसके नीचे दबकर चालक की घटना स्थल पर ही मौत हो गई। थाना पुलिस ने मर्ग दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार रिंकी पुत्र नरेश टेंगोरिया उम्र 22 साल निवासी बड़ी रहावली थाना लहार सोमवार को सुबह करीब 9 बजे ट्रेक्टर लेकर आ रहा था। जब वह रौन कस्बा के पास जैतपुरा रोड पर पहुंचा तो सामने से एक बच्ची अचानक ट्रेक्टर के सामने आ गई। चालक ने ट्रेक्टर को सड़क के दूसरी ओर ले जाने का प्रयास किया तो ट्रेक्टर अनियंत्रित होकर पलट गया और उसके नीचे चालक दब गया, जिससे उसकी घटना स्थल पर ही मौत हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और चालक के शव को पीएम के लिए अस्पताल भेजा तथा प्रकरण में मर्ग दर्ज कर आगे की कार्रवाई आरंभ कर दी है।

उद्यमिता विकास सेल का गठन

दतिया। यहां शासकीय आई.टी.आई. में उद्यमिता विकास सेल का गठन किया गया है।

जिले में आई.टी.आई. उत्तीर्ण छात्र स्वरोजगार हेतु सफल उद्यमी कैसे बने, स्वरोजगार के अवसर, शासकीय योजनाओं की जानकारी तथा ऋण प्रक्रिया में मार्गदर्शन आदि के लिए उक्त सेल के प्रशिक्षण अधिकारी श्री ऋषि रावत से कार्यालयीन समय अथवा मोवाइल नम्बर 9039688090 पर संपर्क कर सकते हैं।

चाँदनी रात

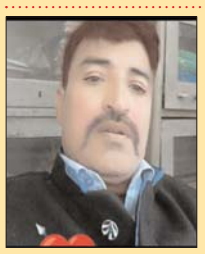

कैसे कह दूँ
राज की एक बात
चाँदनी रात।
रात अंधेरा
कोहरा हुआ धना
हाथ को साथ।
चाँदनी रात
शीत का है असर
दाग ही दाग।
काँपते होठ
ठिठूरता बदन
सामने आग।
कोमल मन
संवरे नित तन
लगे प्यास।
वर्ष नया है
हर्ष भी नया नया
चलो संभाल।
दिल मचल
मच रहा हलचल
नयन कठोर।

आशुतोष
पटना बिहार

मुख्यमंत्री के 28 को लहार कार्यक्रम के संबंध में कलेक्टर ने अधिकारियों को सौंपे दायित्व

समय-सीमा पत्रों की साप्ताहिक समीक्षा बैठक सम्पन्न

भिण्ड,ब्यूरो। कलेक्टर छोटेसिंह की अध्यक्षता में समय-सीमा पत्रों की साप्ताहिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस दौरान कलेक्टर ने मुख्यमंत्री कमलनाथ के 28 दिसम्बर 2019 को लहार चौरई तिराहे पर प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर अधिकारियों को विभिन्न प्रकार के दायित्व सौंपे।

इस अवसर पर एसडीएम भिण्ड इकबाल मोहम्मद, लहार ओएन सिंह, अटेर अभिषेक चौरसिया, गोहद आरए प्रजापति, मेहगांव गणेश जायसवाल, डिप्टी कलेक्टर डीके शर्मा, सिद्धार्थ पटेल एवं शुभम शर्मा सहित समस्त जिला अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टर छोटेसिंह ने बैठक में बताया कि 28 दिसम्बर 2019 को मुख्यमंत्री कमलनाथ लहार क्षेत्र के चौरई तिराहा पर आयोजित कार्यक्रम में शिरकत करेंगे। साथ ही वे यहां किसान फसल ऋण माफी योजनान्तर्गत द्वितीय चरण के तहत किसानों को ऋण माफी प्रमाण पत्र वितरित करेंगे। उन्होंने बताया

कि मुख्यमंत्री जो कार्यक्रम स्थल से जिले में मुख्यमंत्री गौसेवा योजना अन्तर्गत पांच नवनिर्मित गौशालाओं का उदघाटन भी करेंगे। कार्यक्रम में किसान मेले का आयोजन भी किया जाएगा। कलेक्टर ने इस संबंध में जिला अधिकारियों को विभिन्न प्रकार के दायित्व सौंपे। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी तैयारियां समयावधि में पूर्ण करें।

कलेक्टर छोटेसिंह ने समय-सीमा पत्रों की समीक्षा बैठक में राजस्व विभाग की समीक्षा के दौरान गिरदावरी अन्तर्गत न्यून कार्य होने पर नाराजगी जाहिर की। अभी तक गिरदावरी अन्तर्गत जिले में सिर्फ 18 प्रतिशत कार्य हुआ है। उन्होंने फौती नामांतरण, राजस्व बसूली आदि में भी कार्य में प्रगति न होने पर नाराजगी जाहिर की। कलेक्टर ने पात्रता पर्ची सत्यापन कार्य में धीमी गति एवं प्रगति न पाए जाने पर सीईओ जनपद एवं सीएमओ नगर पालिका पर नाराजगी जाहिर की। कलेक्टर ने बैठक में कहा कि सभी शासकीय दफ्तरों में दिव्यांग व्यक्तियों की सुविधा हेतु रेम्प की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। साथ ही सभी शासकीय कार्यालयों में दिव्यांग व्यक्तियों की सुविधा हेतु व्हील चेयर की व्यवस्था भी की जाए। कलेक्टर छोटेसिंह ने सीएम हैल्पलाईन अन्तर्गत प्राप्त शिकायतो की विस्तृत समीक्षा कर समस्त अधिकारियों को सीएम हैल्पलाईन अन्तर्गत 100 दिवस से अधिक की शिकायतों का शीघ्र निराकरण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अधिकारी सीएम हैल्पलाईन की शिकायतो का गुणवत्तापूर्ण निराकरण करें। समीक्षा के दौरान ई पीएचई की सीएम हैल्पलाईन में अधिक शिकायते पाए जाने पर कलेक्टर ने अप्रश्नत्ता पत्र जारी करने के निर्देश दिए। बैठक से अनुपस्थित पाए जाने पर कलेक्टर ने सीएमओ आलमपुर,मेहगांव एवं सीईओ लहार जनपद को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।

मानवता की पाठशाला में पढ़ाया गणित का पाठ

भिण्ड,ब्यूरो। शिक्षा से वंचित बच्चों में ज्ञान की ज्योत जगाने के लिए मानवता की पाठशाला ग्रुप द्वारा यह निरंतर चलाए जा रहे अभियान के तहत प्रति रविवार को संगठन के सदस्यों द्वारा गरीब बच्चों को शिक्षा दिलाने का कार्य किया जा रहा है।

कीर्ति स्तंभ के पीछे निजी बस स्टेण्ड के निकट रह रहे गरीब तबके के लोगों के बच्चों को गणित में दो अंकों का गुणा, इंग्लिश के शब्दों का वाचन, हिन्दी का सुलेख आदि कराया गया। इसके बाद बच्चों का टेस्ट भी लिया गया। कई बच्चों ने पढ़ाए गए पाठ से काफी सीख प्राप्त की। बच्चों को संबोधित करते हुए पाठशाला की सक्रिय सदस्या श्रीमती रश्मि भदौरिया ने कहा कि आज भी हमारे समाज का एक वर्ग शिक्षा से कोसों दूर है। हम सबको मिलकर इनको शिक्षित करने के लिए प्रयास करने होंगे, तभी एक बेहतर और उन्नत भारत का निर्माण होगा। पाठशाला के अंत में बच्चों को बिस्किट का वितरण किया गया। इस अवसर पर बबलू सिंधी, दीपक चावला, अशोक जैन, राहुल श्रीवास, रश्मी भदौरिया, प्रांशु जैन, मोनिका जैन, शिखा जैन, नेहा जैन आदि उपस्थित रहे।

प्रकाश का साकार हुआ शौचालय का सपना

दतिया (ब्यूरो)। एक पैर से निःशक्त प्रकाश ने कभी सोचा नहीं था कि उसका खुद के पक्के शौचालय का सपना पूरा हो जाएगा और उसको एक कि.मी. दूर शौच के लिए जाने से मुक्ति मिल जाएगी। लेकिन सरकार ने प्रकाश के सालों से संजोए अपने खुद के पक्के शौचालय के सपने को पक्के शौचालय की सौगात देकर साकार कर दिया।

जिले के बड़ोनी कस्बे के इमलीपुरा के रहने वाले प्रकाश दिहाड़ी मजदूर हैं और बीड़िया बनाकर गुजारा करते हैं। वह खुद के पक्के शौचालय होने का सपना देखा करते थे। वह एक पैर से निःशक्त हैं और वह खुले में शौच के लिए एक किलोमीटर दूर जंगल में जाने से परेशान थे। इतनी

दूरी तक चलने से उनके पैरों में बेतहाशा दर्द होने लगता था। मगर दिहाड़ी मजदूर होने के कारण पक्का शौचालय बनवाना उनके लिए मुमकिन नहीं था। लेकिन प्रकाश के इस सपने को राज्य सरकार ने प्रधानमंत्री ग्रामीण शहरी आवास योजना के अंतर्गत पक्का शौचालय बनवाकर पूरा कर दिया। घर में पक्का शौचालय ना होने से जंगल जाने से वे आज भी सिहर जाते हैं।

आदिवासी संस्कृति और देव-स्थल संरक्षण के लिये आष्ठान योजना

दतिया। प्रदेश में निवास करने वाले आदिवासियों की संस्कृति और उनके देव-स्थलों के संरक्षण के लिये आदिम-जाति कल्याण विभाग ने नवीन आष्ठान योजना प्रारंभ की है। यह योजना प्रदेश में इस वर्ष विगत 14 जून से प्रारंभ की गई है। आष्ठान योजना में आदिवासी समुदाय के कुल-देवता और ग्राम देवी-देवताओं के स्थानों में निर्मित देवगुढ़ी, मढ़िया, देवठान के निर्माण और जीर्णोद्धार के साथ इन स्थानों पर आने वाले श्रद्धालुओं के विश्राम के लिये सामुदायिक भवन का निर्माण किया जाएगा। इसके साथ ही, इन देव-स्थलों में पेयजल, स्नानागार, शौचालय, विद्युत और पेयजल की व्यवस्था भी की जाएगी। योजना के लिये विभागीय बजट में पर्याप्त प्रावधान किया गया है।

टेबल-कुर्सी पर बैठकर प्रशासन नहीं चलेगा, फील्ड में जाकर काम करना होगा - कलेक्टर

दतिया (ब्यूरो)। कलेक्टर श्री रोहित सिंह ने प्रशासन को जनता के प्रति संवेदनशील बनाने पर बल देते हुए अधिकारियों से कहा कि टेबल-कुर्सी पर बैठकर प्रशासन नहीं चलेगा, बल्कि अधिकारियों को फील्ड में जाकर काम करना होगा। कलेक्टर ने यह बात आज यहां समय सीमा पत्रों की समीक्षा बैठक में कही। आप बैठक में जन शिकायतों की समीक्षा कर रहे थे। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री बी.एस. जाटव एवं अपर कलेक्टर श्री विवेक कुमार रघुवंशी समेत विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टर ने अधिकारियों से कहा कि वे फील्ड में जाकर शासकीय कार्यों की जमीनी हकीकत जानें और अपने अधीनस्थ अधिकारियों एवं कर्मचारियों से जनता के कार्य कराना सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने अनुविभागीय अधिकारियों राजस्व से कहा कि वे अपने अनुविभाग क्षेत्र के लिए जवाबदार होंगे और फील्ड में भ्रमण कर यह देखें कि जनता के कार्य हो रहे हैं या नहीं। वे अपने कार्यक्षेत्र में विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों से समन्वय रखते हुए यह सुनिश्चित करें कि शासकीय कार्यक्रमों एवं जनहितैषी कार्यों का समय पर निष्पादन हो जाए। कलेक्टर ने तहसीलदारों को निर्देश दिए कि मकान क्षति जैसे प्रकरणों में पटवारियों की रिपोर्ट को फील्ड में जाकर क्रास चेक करें।कलेक्टर ने मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे यह सुनिश्चित करें कि सार्वजनिक स्थल जैसे अस्पताल, बसस्टेण्ड, स्टेडियम, खेल परिसर आदि साफ-सुथरा रहें और वहां गंदगी ना रहे। नगर में बेतरतीब ढंग से ठेले खड़े ना मिलें। उन्होंने मुख्य नगर पालिका अधिकारी दतिया को नगर का कचरा डम्प करने के लिए उपयुक्त साइट सिलेक्ट करने के निर्देश दिए। उन्होंने मेन रोड, सिविल लाइन समेत विभिन्न प्रमुख स्थलों की साफ सफाई पर विशेष ध्यान देने के मुख्य नगर पालिका अधिकारी को निर्देश दिए। उन्होंने डिवाइडरों को दुरूस्त कराने एवं इनकी पुताई कराने के मुख्य नगर पालिका अधिकारी को निर्देश दिए। उन्होंने जिला अस्पताल से रोजाना कचरा गाड़ी से कचरा उठवाने की व्यवस्था कराने के भी मुख्य नगर पालिका अधिकारी को निर्देश दिए।

शिकायतों का समय पर निराकरण न होने पर व्यक्त की नाराजगी

अंतर्विभागीय समन्वय बैठक में कलेक्टर के निर्देश, सही जवाब भरें अधिकारी

शिवपुरी (ब्यूरो)। सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों का समय पर जवाब न भरने एवं संतुष्टिपूर्वक निराकरण न होने पर कलेक्टर श्रीमती अनुग्रहा पी ने नाराजगी व्यक्त की है। उन्होंने सभी जिलाधिकारियों को स्पष्ट कहा है कि अधिकारी स्वयं शिकायतों को देखें। अपने अधीनस्थ अमले की समीक्षा करें अन्यथा अधिकारी के विरुद्ध कार्यवाही होगी। उन्होंने खाद्य विभाग सहित कुछ अन्य विभागों की शिकायतें बैठक के दौरान ही देखी और संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि समय पर ध्यान न देने के कारण ही शिकायतें लंबित रहती हैं और उच्च स्तर पर पहुँच जाती हैं। इसलिए अधिकारी इसे गंभीरता से ले। आयोजित अंतर्विभागीय समन्वय बैठक में कलेक्टर श्रीमती अनुग्रहा पी ने कृषि विभाग के उपसंचालक को निर्देश दिए कि फसल ऋण माफी के आवेदन का निराकरण के लिए सभी बैंकों में शिविरों का आयोजन किया जाना है। इन शिविरों की रिपोर्ट भेजें। सभी एसडीएम भी इसकी मोनिटरिंग करें। उन्होंने वनाधिकार पट्टा वितरण की भी समीक्षा की। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री एच.पी.वर्मा, अपर कलेक्टर श्री आर.एस. बालौदिया, एसडीएम एवं विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित थे। कलेक्टर श्रीमती अनुग्रहा पी ने बैठक में धान खरीदी की समीक्षा करते हुए डीएसओ को निर्देश दिए हैं कि किसानों तक जानकारी प्रेषित की जाए। प्रचार-प्रसार कराया जाए।

शिवपुरी पुलिस द्वारा एक स्थाई वारण्टी को दबोचा

शिवपुरी ब्यूरो। पुलिस अधीक्षक शिवपुरी राजेश सिंह चंदेल के निर्देशन एवं अति. पुलिस अधीक्षक शिवपुरी गजेन्द्र सिंह कंवर के मार्गदर्शन में स्थाई वारण्टियों की गिरफ्तार अभियान के तहत थाना सुरवाया द्वारा एक स्थाई वारण्टी को किया गिरफ्तार। थाना प्रभारी सुरवाया उनि. दीनेश नरवरिया द्वारा मुखबिर सूचना पर पुलिस टीम के साथ माननीय न्यायालय के प्रकरण क्रमांक 152/17 में फरार स्थाई वारण्टी को पकड़ने रवाना हुए जिस पर से पुलिस टीम द्वारा स्थाई वारण्टी भूरा परिहार निवासी तलगॉव जिला दतिया को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय पेश किया गया। उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी सुरवाया उनि. दीनेश नरवरिया, प्रआर. अवतार सिंह, आर. रविन्द्र बुन्देला और आरक्षक कदम सिंह की सराहनीय भूमिका रही।

बदलते दौर में डाकू संस्कृति

आलोक पुराणिक

साल का अंत है और तमाम ट्रैवल एजेंसियां तरह-तरह के टूर प्लान बेच रही हैं। मेरे पास कुछ बेहतरीन आइडिये हैं। करीब 72 बार उस टीवी चैनल ने उस बैंक की मुंबई वाली वह शाखा दिखायी, जहां से करीब 13000 करोड़ रुपये पार कर दिये गये थे। पब्लिक हल्ला मचाये दे रही थी वह ठिकाना देखने के लिए, जहां से 13000 करोड़ रुपये उड़ा लिये गये थे। पब्लिक की दिलचस्पी लूट-पाट के ठिकानों में बहुत होती है। कुछ दशक पहले चंबल का इलाका डाकुओं के लिए जाना जाता था। उस इलाके से गुजरने वाली बसों और रेलगाड़ियों में लोग एक-दूसरे को बताते थे—ये इलाका है जहां वो वाला डाकू रहता है। ग्वालियर के किले में उन ठिकानों को बताया जाता है, जहां चंबल की कसम फिल्म की शूटिंग हुई थी। कुछ समय पहले यह बात भी सामने आयी थी कि कर्नाटक में करीब 7.5 करोड़ रुपये खर्च करके शोले का रामगढ़ गांव विकसित किया जायेगा। इसमें शोले के कालजयी डायलॉगों और दृश्यों पर आधारित एक शो भी बनाया जायेगा। पब्लिक को डाकू बहुत प्यारे होते हैं, बात सिर्फ गब्बर सिंह की नहीं हो रही है। पब्लिक डाकुओं से इतना प्यार करती है कि उनमें से कुछ को चुनकर अपना प्रतिनिधि तक बना देती है। गब्बर सिंह इतने पॉपुलर हुए कि बाद में वह बिस्कुट बेचते पाये गये। डाकू बिस्कुट बेचने के लिए माडलिंग करे, ऐसा कमाल इस मुल्क ने देखा है। डाकू इंश्योरेंस पॉलिसी बेचें, समझ में आता है। कई इंश्योरेंस पॉलिसी खालिस डाका हैं। डाकू मोबाइल प्लान बेचें, तो भी समझ में आता है। कई कंपनियों के मोबाइल टैरिफ प्लान भी डाके के स्तर की वारदात होते हैं। पर डाकू बिस्कुट बेचने लग जायें, तो समझ लेना चाहिए कि मुल्क की जनता का डाकुओं से विशेष प्यार है। इस प्यार का फायदा उठाया जाना चाहिए। उस बैंक की वह शाखा भी डाकू पर्यटन केंद्र के तौर पर विकसित की जा सकती है। गब्बर के भेष में 13000 करोड़ के उड़ाऊ दिखाये जायें। उस ब्रांच पर कुछ ऐसा साउंड और विजुअल शो विकसित किया जा सकता है:-

कितने आदमी थे—गब्बर सिंह पूछे।

कालिया बताये—सरदार अब आदमियों के नंबर का लूट के साइज से कोई रिश्ता नहीं है। कंप्यूटर पासवर्ड पता हो एक ही बंदे को, तो अरबों पार हो जाते हैं।

गब्बर सिंह—तो क्या डाकू होने के लिए अब पढ़ना-लिखना पड़ेगा क्या।

सांभा—जी सरदार, अगर आप नेता नहीं हैं, तो बड़ी लूट बिना पढ़ाई के नहीं हो पाती। मतलब हमें सच्चाई को स्वीकार कर लेना चाहिए।

गब्बर सिंह—अरे ओ सांभा कितना इनाम हम पर रखे है सरकार।

एक वार फिर चलाई हाथ ठेलों पर प्रशासन ने अतिक्रमण मुहिम

-पुराने बस स्टेण्ड में लगबाए हाथ ठेले

शिवपुरी ब्यूरो। प्रशासन एवं नगर पालिका की ओर से सोमवार को चलाया गया अतिक्रमण हटाओ अभियान सिर्फ आइवॉश बनकर रह गया। दरअसल अभियान में वैसी दुकानों को हटाया गया, जो अस्थायी रूप से सजती हैं। फल दुकानों को पहले भी कई बार हटाया जा चुका है. इसके विपरीत शहर के विभिन्न मोहल्ले व मुख्य मार्गों पर आर्थिक रूप से संपन्न लोगों की ओर से किये गये अतिक्रमण पर प्रशासन एवं नगर पालिका की नजर नहीं जा रही है. इसे गरीबों को परेशानी और अमीरों पर मेहरबानी ही कहा जागा।

जब इस संबंध में डिप्टी कलेक्टर मनोज गरवाल से चर्चा की गई तो उन्होंने कहा कि शहर की यातायात व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए आज शहर में अस्थाई अतिक्रमण पर कार्रवाई की गई है जो कार्यवाही दिनभर चलेगी लेकिन जब उनसे यह पूछा गया कि

जिन फल खेलो वालों को उन्होंने पुराने बस स्टैंड पर शिफ्ट किया गया है वे उनकी निश्चित जगह है या आस्थाई जगह है तो इस बारे में उनका कहना था कि शिवपुरी में कोई भी होकर जॉन ना होने के कारण यह जगह अभी आस्थाई है परंतु निकटतम भविष्य में हम होकर जॉन बनाकर उन्हें स्थाई जगह देने की कोशिश करेंगे परंतु जब उनसे स्थाई अतिक्रमण सवाल दागा तो उन्होंने कहा कि हमने स्थाई अतिक्रमणकारियों पर कार्यवाही हेतु प्रशासनिक व्यवस्था कर ली है और कुछ ही दिनों में उन पर सख्त से सख्त कार्रवाई करेंगे। इस मुहिम के बीच कई बार यातायात प्रभारी ओर अस्थाई रूप से सजे हाथ ठेलों बालों के बीच नोकझोंक का माहौल का भी निर्मित हुआ शहर के बाजारों में सड़क किनारे खड़े होकर फल फ्रूट ठेलों पर रखकर विक्रय करने वाले दुकानदारों को यातायात एवं नगर पालिका प्रशासन की संयुक्त कार्यवाही के तहत उन्हें पुराने बस स्टेण्ड के अंदर जगह दी गई हैं। जिससे फल विक्रेता संतुष्ट नजर नहीं आ रहे हैं उनका कहना है कि आज प्रशासन हमको यहां पर खड़ा कर रहा हैं। जब हमारी दुकानदारी यहां पर जम जायेगी तो साल दो साल बाद हमें यहां से भी भगा दिया जाएगा। उक्त मामले को लेकर नगर पालिका उपाध्यक्ष अनिल शर्मा अन्नी ने पूर्व की भांति आज भी हाथ ठेला वालों के साथ खड़े होकर उनके सुर में सुर मिलाए और जिलाधीश तक लेकर पहुंचे उनका कहना था कि इन गरीब फल विक्रेताओं को फुटवॉल की तरह इधर से उधर प्रशासन द्वारा किया जाता रहा हैं। जिसकी बजह से गरीब तबके के लोगों के रोजगार पर विपरीत प्रभाव पड़ता हैं। उन्होंने जिलाधीश से मांग की हैं कि फल विक्रेताओं की समस्या का स्थायी हल किया जाए। अक्सर देखने में आया है कि शहर के मुख्य बाजारों में धनाढ्य वर्ग के लोगों द्वारा 10 से 15 फुट तक शासकीय भूमि पर अतिक्रमण कर मार्गों को संकुचित कर दिया गया हैं।

धरती और गगन

इक दिन धरती यूं बोली गगन से
ले चलो मुझे भी अपने पास
तुम्हारे पास जब सब हैं सूरज चांद
सितारे तो फिर मैं ही क्यूं नहीं आ
सकती पास तुम्हारे।
सुन यह गगन मुसकाया
फिर धरती को था समझाया
तू देखती रह मुझे, मै देखता रहुं तुझे
हम लोग बस यही कर सकते हैं
कि इक दुजे के पास नहीं आ सकते हैं
मेरे पास हैं अगर सूरज चांद और
तारे
तो तेरे पास भी हैं यह ताल तलेईया
नदिया और मानव सारे
सूरज मेरी एक आंख है जिससे मै
तुझे सुबह देखता हूं
चांद मेरी दुजी आंख है जिससे मै
तुझे रात को सोई हुई सी,खोइ हुइ सी

देखता हूं
फिर तारे मेरे वो फूल हैं जो मै रात
को तुझ पर वारता हूं
हाथ बढ़ा कर मै तुझे बुला नहीं
सकता
न तू ही कदम बढ़ा कर मेरे पास है
आ सकती
इसलिए देखती रह यूं ही तू मुझे
और देखता रहूं यूं ही मै तुझे।।

नीतू पंधा
इंदौर मप्र

दूसरों की मदद करना - जीवन का उद्देश्य: राजेन्द्र झा

पुष्पांजली टुडे

ग्वालियर। मानव जीवन का उद्देश्य है कि अपने मन, वचन और काया से औरों की मदद करना। हमेशा यह देखा गया है कि जो लोग दूसरों की मदद करते हैं, उन्हें कम तनाव रहता है, मानसिक शांति और आनंद का अनुभव होता है। वे अपनी आत्मा से ज़्यादा जुड़े हुए महसूस करते हैं, और उनका जीवन संतोषपूर्ण होता है। जबकि स्पर्धा से खुद को और दूसरों को तनाव रहता है।

यह बात मंगलवार को मानव अधिकार प्रोटेक्शन द्वारा इंदरगंज चौराहे पर चलाये गए घायल का वीडियो न बनाओ उसे हॉस्पिटल पहुँचाओ जन जागरूकता अभियान के तहत प्रदेशाध्यक्ष राजेन्द्र झा ने कहि इस अवसर पर राहगीरों को पर्चे बांटकर उन्हें जागरूक किया गया कि कोई भी पीड़ित व्यक्ति सड़क पर मिलता है तो उसकी मदद जरूर करें क्योंकि यही हमारा उद्देश्य है अभियान में जिला अध्यक्ष अनिल सिंह राजपूत रवि दत्त शर्मा शकुंतला तोमर विनय जैन पुष्प आलोक आहूजा रवि प्रजापति लोकेंद्र गुर्जर राजेश ओझा समीर हुसैन गौरव राजौरिया शेलेन्द्र ओझा,सोनू लक्ष्यकार सहित अन्य सदस्यगण उपस्थित रहे और राहगीरों को पर्चे देकर जागरूक किया गया।

जेसीआई ग्वालियर की चार्टर नाइट जुनून बुधवार को

ग्वालियर। जेसीआई ग्वालियर की अवार्ड नाइट बुधवार 25 दिसंबर को आयोजित होगी। इस अवार्ड नाइट का आयोजन रंगमहल गार्डन में रात्रि 8 बजे से किया गया है। उक्त जानकारी जेसीआई ग्वालियर के जनसंपर्क अधिकारी प्रदीप अग्रवाल ने दी। अवार्ड नाइट 2019 को जुनून नाम दिया गया है। इसमें जेसीआई आयोजनों में उल्लेखनीय कार्य करने वाले पदाधिकारियों सहित विभिन्न सहयोगियों को भी अवार्ड से सम्मानित किया जायेगा। अवार्ड नाइट के लिए जेसीआई ग्वालियर के प्रेसीडेंट लक्ष्मण शर्मा, कार्यक्रम संयोजक मनमीत सिंह कोहली, उपाध्यक्ष अजीत गुप्ता, सचिव दीपक बत्रा, महिला विंग चेयरपर्सन वंदना शर्मा, सचिव सुमन जैन ने सभी से उपस्थिति का आग्रह किया है।

शातिर बदमाश भीम जादौन चंदन पुरा ग्वालियर को दबोचा

पुष्पांजली टुडे न्यूज़

पुलिस अधीक्षक ग्वालियर श्री नवनीतभसीन अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री पंकज पांडे ,सी एस पी श्री रवि भदौरिया के निर्देशन व पुलिस थाना हजीरा टीआई आलोक सिंह परिहार के नेतृत्व में थाना हजीरा ग्वालियर पुलिस ने हजीरा ग्वालियर से मुखबिर की सूचना पर दिनांक 23/12/19 को शातिर बदमाश भीम जादौन उर्फ चरन सिंह पुत्र रविन्द्र सिंह उम्र 25 वर्ष निवासी चंदन पुरा ग्वालियर को दबोचा ।दिनांक 26/11/19 को फरियादिया श्री मती सुमन चौहान पत्नी विनोद चौहान उम्र 40 वर्ष निवासी संजय नगर पुल के पास हजीरा ने आरोपी भीम जादौन के विरुद्ध शराब पीने के लिए रुपये मांगने व नहीं देने मारपीट करने ,अश्लील गालियां देकर जान से मारने की धमकी देने की रिपोर्ट की थी ।थाना हजीरा में अपराध क्रमांक 496/19 धारा 294,327 506 ढ्ढक्क भीम जादौन के विरुद्ध पंजीबद्ध किया गया था। भीम जादौन का हजीरा क्षेत्र की आम जनता में अत्यधिक भय एवम आतंक व्याप्त है । भीम जादौन पर वर्ष 2012 से अश्लील गालियां ,मारपीट ,जान से मारने की धमकी देने ,चौथ वसूली ,व अवैध शराब बेचने के कुल 7 अपराध थाना हजीरा में पंजीबद्ध हैं । श्री मान जिलाधीश महोदय ग्वालियर द्वारा भीम जादौन को 6 माह के लिए ग्वालियर सहित शिवपुरी ,गुना,अशोक नगर ,भिंड ,मुरैना ,दतिया ,श्योपुर की सीमा से जिला बदर किया गया है। भीम जादौन को दबोचने वाली टीम में पी एस आई कुलदीप देथलिया ,प्रधान आरक्षक शैलेंद्र सिंह चौहान ,आरक्षक पंकज सिंह ,जनकसिंह, राजीव शुक्ला ,कुलदीप तोमर ,लेखराज व महिला आरक्षक सरला लोधी टीम में शामिल थे ।विशेष भूमिका आरक्षक राजीव शुक्ला की रही ।

स्वच्छता कार्य हेतु सौंपी गई जवाबदारी का निर्वहन न करने वाले अधिकारियों के विरूद्ध उनके घर के बाहर चस्पा किया जायेगा नोटिस

जनगणना की जानकारी न भेजने वाले अधिकारियों के विरूद्ध भी नोटिस जारी करें - कलेक्टर

अंतरविभागीय समन्वय समिति की बैठक में कलेक्टर ने दिए निर्देश

ग्वालियर। स्वच्छता रैंकिंग में ग्वालियर को अच्छी रैंकिंग मिले, इसके लिए नगर निगम के साथ-साथ जिला अधिकारियों को भी स्वच्छता के कार्य की मॉनीटरिंग की जिम्मेदारी सौंपी गई है। स्वच्छता के कार्य के लिए सौंपी गई जिम्मेदारियों का निर्वहन न करने वाले अधिकारियों के घर के बाहर नोटिस चस्पा करने के निर्देश कलेक्टर अनुराग चौधरी ने दिए हैं।

मंगलवार को अंतरविभागीय समन्वय समिति की बैठक में स्वच्छता के कार्य की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने ऐसे अधिकारियों के विरूद्ध कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने अधिकारियों से कहा है कि स्वच्छता कार्य की मॉनीटरिंग सभी की जवाबदारी है। जिला अधिकारी सौंपे गए क्षेत्र का नियमित भ्रमण कर अपनी रिपोर्ट भी प्रस्तुत करें। जो अधिकारी अभियान के दौरान भ्रमण पर नहीं जा रहे हैं उनके विरूद्ध नोटिस जारी कर उनके घर के बाहर चस्पा करने की कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए गए। कलेक्टर अनुराग चौधरी ने बैठक में कहा है कि जनगणना का कार्य राष्ट्रीय महत्व का कार्य है। जनगणना के संबंध में जिन विभागों ने जानकारी प्रेषित नहीं की है उन सबको नोटिस जारी किए जाएं। नगर निगम आयुक्त द्वारा 65 विभागों से जानकारी चाही गई थी। जिनमें से 55 विभागों द्वारा अब तक जानकारी प्रस्तुत नहीं की गई है। जानकारी प्रस्तुत न करने वाले सभी अधिकारियों को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए हैं। कलेक्टर श्री अनुराग चौधरी ने यह भी स्पष्ट किया कि जनगणना के कार्य में जानकारी न देने पर अर्थदण्ड का भी प्रावधान है। सभी संबंधित विभाग तत्काल जनगणना से संबंधित जानकारी संकलित कर प्रेषित करें।

कलेक्टर अनुराग चौधरी ने यह भी निर्देश दिए हैं कि विभागीय अधिकारी भ्रमण के दौरान जो कमियां पाएं, वह संबंधित विभागीय अधिकारियों को बताकर ठीक कराने की कार्रवाई भी करें। इसके साथ ही किए गए कार्य की मॉनीटरिंग भी अपने स्तर से करें। कलेक्टर अनुराग चौधरी ने बैठक में कहा कि प्रदेश सरकार के निर्देश पर भू-माफियाओं के विरूद्ध चलाए जा रहे अभियान में अधिकारियों ने अच्छा कार्य किया है। वे बधाई के पात्र हैं। यह अभियान निरंतर जारी रहेगा। अभियान के तहत भू-माफियाओं के साथ-साथ अन्य क्षेत्र के माफियाओं के विरूद्ध भी सख्त से सख्त कार्रवाई की जायेगी। अधिकारी अपने दायित्वों का निष्ठापूर्वक निर्वहन कर शासन की मंशानुसार कार्रवाई सुनिश्चित करें। कलेक्टर चौधरी ने सभी अपर कलेक्टरों को भी कहा है कि वे माह में एक बार अपने-अपने अधीनस्थ विभागों की भी समीक्षा अवश्य करें। इसके साथ विभागों द्वारा किए जा रहे कार्यों तथा लंबित प्रकरणों के निराकरण में की गई कार्रवाई की समीक्षा भी करें।

जिला उपभोक्ता फोरम होगा अब जिला आयोग : खाद्य मंत्री तोमर

ग्वालियर। प्रदेश के खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस पर कहा कि जिला फोरम का नाम बदलकर जिला आयोग कर दिया है, जिसमें 1 अध्यक्ष व 4 सदस्य होगें और कहा कि विशेष अभियान चलाकर उपभोक्ताओं को जागरूक करें तथा उनके अधिकारों और जिम्मेदारियों के बारें में बतायें तभी हम उपभोक्ता दिवस को सार्थक रूप दे पायेगें। उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा करना हमारा पहला कर्तव्य है। प्रदेश के खाद्य मंत्री तोमर ने आज मंगलवार को कांचमिल स्थित पं. रामप्रसाद बिस्मिल सामुदायिक भवन में खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग ग्वालियर द्वारा आयोजित राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस/ग्राहक दिवस के अवसर पर बोलते हुए कहा कि प्रदेश सरकार ने अब जिला फोरम का नाम बदलकर जिला आयोग कर दिया है। जिसमें 1 अध्यक्ष और 4 सदस्य होगें और कहा कि राज्य आयोग में अपील दायर करने की सीमा अवधि 30 दिनों से बढाकर 45 दिनों तक की कर दी गई है। प्रदेश के खाद्य मंत्री तोमर ने कहा कि जिले में आयोग को मूल आर्थिक क्षेत्र 1 करोड़ कर दिया है। साथ ही राज्य आयोग 1 करोड़ से ऊपर 10 करोड़ तक और राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग का 10 करोड़ से अधिक होगा। उन्होने कहा कि नए अधिनियम में धारा 74 के अंतर्गत मध्ययस्थता को वैधानिक दर्जा दिया गया है एवं जिला आयोग, राज्य आयोग एवं राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग के अंतर्गत रिव्यू का प्रावधान किया गया है, तथा राज्य आयोग में अपील दायर करने की सीमा अवधि 30 दिनों से बढाकर 45 दिनों तक की कर दी है।

ग्वालियर शहर में आसान किस्तों में बिना ब्याज के प्लॉट खरीदने का सुनहरा मौका।
TOMAR ASSOCIATES
प्लॉट खरीदने एवं निवेश के लिए सम्पर्क करें
मूलभूत सुविधाऐं
कॉलोनी के चारों और बाउण्ड्री बॉल
मैन गेट पर सी.सी.टी.वी. कैमरा व सिक्योरिटी गार्ड
लाईट, पानी, सीवर लाईन, कम्युनिटी हॉल
बच्चों के लिये गार्डन, सड़कों पर लाईट, मन्दिर,
सुन्दर विशाल पार्क, जिम, जॉगिंग ट्रेक,
वॉस्केट बॉल मैदान, स्वीमिंग पुल,
शॉपिंग कॉम्प्लैक्स व स्कूल की सुविधा।
T&CP APPROVE FORM-4
मात्र 25 प्रतिशत प्लॉट की कीमत जमा करवाकर प्लॉट का रजिस्टर्ड एग्रीमेंट करवायें एवं शेष धनराशि 75% बिना ब्याज के दें।
ग्वालियर शहर में अपने सपनों का घर बनायें।
बुकिंग मात्र 25,000/- से
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें 9713253992 7828039035

TOMAR ASSOCIATES
सोलर पेनल लगवाने पर बैंक द्वारा लोन की सुविधा।
सोलर पेनल लगाये और बिजली बिल से छुटकारा पायें। साथ ही पर्यावरण बचायें। सौर्य ऊर्जा लगवाकर म.प्र. सरकार से सब्सीडी पायें।

Bipin Tomar (Bhidosa)
Greennub Exclusive Partner
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें 9713253992 7828039035

अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा की बैठक हुई सम्पन्न

तन्वी भदौरिया चौहान

ग्वालियर। क्षत्रिय महासभा की बैठक एम.डी. एस. पब्लिक स्कूल 29 गरगज कॉलोनी में सम्पन्न हुई। मुख्य अतिथि रूप मे श्री रामकुमार सिकरवार जी, विशिष्ट अतिथि श्री राजकुमार परमार जी, श्री कैलाश तोमर जी, श्री महेंद्र सिंह तोमर जी, श्री राजू सिकरवार, श्री देवेंद्र तोमर जी, श्रीमती रजनी भदौरिया जी उपस्थित रहे। बैठक की अध्यक्षता क्षत्रिय महासभा की संभागीय अध्यक्ष श्रीमती रेशु राजावत जी ने की।बैठक के विस्तार पर चर्चा के उपरांत क्षत्रिय महासभा महिला विंग की जिला अध्यक्ष पद पर श्रीमती मीना चौहान, व महामंत्री पद श्रीमती दीप्ति राजावत की नियुक्ति की घोषणा की। इस अवसर पर श्रीमती रेखा शेखावत, श्रीमतीआशा सिकरवार, श्रीमती रानेश्वरी सेंगर, श्रीमतीकृष्णा गौर, श्रीमती शशी गौर, श्रीमती कल्पना, श्रीमती माया राजावत, श्रीमती आशा सिकरवार आदि उपस्थित रही।

VISION 2030
अब अपनी पढाई को दो रफ्तार ।
SSC/ बैंक/ रेलवे/MPPSC/UPSC/ POLICE/SI
के साथ ही सभी तरह की COMPETITION CLASSES.
HOME TUITION
Class:- 6th-12th हिन्दी मीडियम/इंग्लिश मीडियम/CBSE
MP/UP/GUJRAT/CG
BHIND/GWALIOR/DATIA
call/ वॉट्सएप्प for more information
फ्री में आप हमार APP "VISION 2030 डाउनलोड कर सकते है।
अगर आप कोचिंग/स्कूल चलाते है तो अपनी छात्र संख्या बडाने के लिये सम्पर्क कर सकते है।
VISION 2030 की फ्रेंचाइजी लेने के लिये सम्पर्क करे और हर माह 50 से 60000/- कमाना शुरु करे।
Vision 2030
THE FUTURE IS OURS TO SEE
ऑफिस - A, Block 404, भाऊ साहब की पोतनिस इंक्लेब, मुरार रोड़, गोले का मंदिर ग्वालियर
संपर्क सूत्र:- 8305193927

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, एवं संपादक-भरत सिंह चौहान। पुष्पांजली प्रिंटर्स-गोवर्धन कॉलेनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, जिला ग्वालियर (म.प्र.) से मुद्रित एवं दीपू इलेक्ट्रोनिक्स, पंजीयन क्रमांक/ एम.पी.एच.आई.एन. /31130 नियर हनुमान मंदिर, गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक - भरत सिंह चौहान E-mail : pushpanjalitoday17@gmail.com 0751-4901333, M.: 8269307478